यह चित्र महाराष्ट्र की वरली शैली में बना है। बच्चों का ध्यान चित्र की ओर दिलाएँ।

14. एक बुढ़िया

0117CH14

कहीं एक बुढ़िया थी जिसका
नाम नहीं था कुछ भी,
वह दिन भर खाली रहती थी
काम नहीं था कुछ भी।
काम न होने से उसको
आराम नहीं था कुछ भी,
दोपहरी, दिन, रात, सबेरे,
शाम नहीं थी कुछ भी।

© NCERT not to be republished

नाम बताओ, काम बताओ

बिना नामवाली बुढ़िया का कोई नाम रखो।

....

वह दिन भर खाली रहती थी। उसके लिए कुछ काम सुझाओ।

....

....

....

काम करो कुछ काम करो

तुम्हारे घर में सबसे ज़्यादा काम कौन करता है?

....

तुम्हारे घर में सबसे ज़्यादा आराम कौन करता है?

....

© NCERT not to be republished